

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 30 September 2026

SBI ने ग्राहकों को दी राहत : होम लोन की ब्याज दरों में 0.50% की कटौती, जानिए अब कितना लगेगा इंटरेस्ट ।

Publisher

Published on 14 Jun 2025



15 जून से लागू होंगे नए होम लोन रेट, EMI होगी सस्ती, क्रेडिट स्कोर के आधार पर मिलेगा लाभ ।

नई दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती के बाद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने भी ग्राहकों को बड़ी राहत दी है। बैंक ने अपने होम लोन की ब्याज दरों (EBLR) को 0.50% कम कर दिया है। यह नई दरें 15 जून 2025 से प्रभाव में आएंगी।

अब SBI का होम लोन ब्याज दर 7.5% से 8.45% के बीच होगी, जो कि ग्राहक के CIBIL स्कोर और लोन की अवधि पर निर्भर करेगी। साथ ही, बैंक ने अपनी स्पेशल डिपॉजिट स्कीम (444 दिन) की ब्याज दर में भी 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है।

EMI में राहत, होम लोन लेने वालों को मिलेगा फायदा

SBI के सभी होम लोन EBLR (External Benchmark Lending Rate) से लिंक होते हैं, जो सीधे तौर पर RBI के रेपो रेट से जुड़े होते हैं। रेपो रेट घटने पर EBLR भी घटता है और इसी के चलते ग्राहकों की EMI कम हो जाती है। RBI ने 6 जून 2025 को रेपो रेट को 6.00% से घटाकर 5.50% कर दिया था।

SBI की नई EBLR दर 8.15% निर्धारित की गई है। इसके आधार पर अब होम लोन सस्ता मिलेगा, जिससे लंबी अवधि में ग्राहकों को बड़ी बचत होगी।

MCLR पर नहीं हुआ कोई बदलाव

SBI ने स्पष्ट किया है कि उसने अभी **MCLR (Marginal Cost of Funds Based Lending Rate)** में कोई बदलाव नहीं किया है। यानी जिन ग्राहकों का लोन **MCLR** से लिंक है, उन्हें ब्याज दर में कोई राहत नहीं मिलेगी।

वर्तमान में SBI की MCLR दरें निम्नलिखित हैं:

१. 1 साल – 9.00%
२. 6 महीने – 8.90%
३. 3 महीने – 8.55%
४. 1 महीना – 8.20%

CIBIL स्कोर से मिलेगा कम ब्याज का लाभ

जिन ग्राहकों का **CIBIL स्कोर अच्छा (700 से ऊपर)** है, उन्हें SBI की नई दरों में सबसे ज्यादा लाभ मिलेगा। इससे **EMI** कम होगी और मासिक खर्चों पर असर भी घटेगा। वहीं, जिन लोगों ने **फिक्स्ड रेट पर लोन** लिया है, उन्हें ब्याज दर में बदलाव का कोई फायदा नहीं मिलेगा।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.